[illegible] [illegible]
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

[illegible] [illegible]
[illegible] प्रश्न [illegible] : 492
26 [illegible], 2019 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] प्रश्न [illegible] [illegible]

स्वास्थ्य परिचया सुविधाएं

*492. श्री दिलेश्वर कामैतः

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या सरकार ने नीति आयोग को एक रिपोट पर ध्यान दिया है जिसम यह बताया गया है कि स्वास्थ्य परिचया सुविधाओं के मामले म बिहार और उत्तर प्रदेश सबसे निचले स्तर पर ह; और
(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा एनआरएचएम के अंतगत दूसरे राज्यों को तुलना म बिहार को बुनियादी स्वास्थ्य परिचया सुविधाएं सुदृढ़ करने के लिए और अधिक निधि आवंटित किए जाने को संभावना है ताकि प्राथमिक स्वास्थ्य कद्र स्तर पर कम से कम प्राथमिक उपचार दिया जा सके?

[illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ([illegible]. [illegible] [illegible])

(क) से (ख): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 26 जुलाई, 2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 492 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): नीति आयोग ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के परामश से एक व्यापक राज्य स्वास्थ्य सूचकांक रिपोट “स्वस्थ राज्य, प्रगतिशील भारत - राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को रकों पर रिपोट, जून, 2019” प्रकाशित को है। इस रिपोट म राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वष 2015-16 (आधार वष) से 2017-18 (संदभ वष) को अवधि म उनके समग्र काय-निष्पादन और वृद्धिशील सुधार के आधार पर रक दिए गए ह। यह स्वास्थ्य सूचकांक तीन क्षेत्रों अथात स्वास्थ्य परिणाम, गवनस और सूचना तथा मुख्य इनपुट/प्रक्रियाओं म समूहबद्ध स्वास्थ्य क्षेत्र के काय-निष्पादन के मुख्य पहलुओं को शामिल करने वाले 23 संकेतकों पर आधारित भारित समग्र सूचकांक है। बेहतर तुलना के लिए, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तीन श्रेणियों अथात बड़े राज्य (21), छोटे राज्य (8) और संघ राज्य क्षेत्र (7) म वर्गीकृत किया गया है।

राज्य स्वास्थ्य सूचकांक रिपोट के अनुसार, वष 2017-18 के लिए 21 बड़े राज्यों म बिहार और उत्तर प्रदेश का समग्र स्वास्थ्य सूचकांक क्रमश: 32.11 और 28.61 ह जो उन्ह सापेक्षिक रूप से निम्न स्थान पर ले जाता है। यह स्कोर उत्तर प्रदेश के 28.61 से लेकर केरल के स्कोर 74.01 तक अलग-अलग ह।

(ख): चूंकि “सावजनिक स्वास्थ्य एवं अस्पताल” राज्य का विषय है, इसलिए प्राथमिक स्वास्थ्य म सुधार करने का उत्तरदायित्व संबंधित राज्य सरकार का है। तथापि, राज्यों को उनसे प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर उनको स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतगत सहायता प्रदान को जाती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतगत, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित उच्च फोकस वाले राज्यों को गैर-उच्च फोकस वाले राज्यों को तुलना म प्रति व्यक्ति उच्चतर संसाधन आवंटित किए जाते ह।

*****